गुरुकृपा

श्रीगुरु की कृपा के विषय पर शास्त्रों से उद्धरण

संस्कृत सुभाषित

धर्मज्ञो धर्मकर्ता च सदा धर्मप्रवर्त्तकः।
तत्त्वेभ्यः सर्वशास्त्रार्थदेशको गुरुरुच्यते॥

गुरु उन्हें कहा जाता है जो धर्म के ज्ञाता हैं,
धर्म का पालन करने वाले हैं,
धर्म के प्रवर्तक हैं,
और जो सर्व शास्त्रों के सारतत्त्व के उपदेशक हैं।

© २०२१ एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।